दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, झांसी, एटा,औरैया, अमेठी,बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

कुम्भ महोत्सव पर शोध टीम का गठन

प्रो0 (डॉ0) भरत राज सिंह

इस वर्ष 2019 में प्रयाग में 'कुम्भ महोत्सव' के वैज्ञानिक पहलू पर, एस0एम0एस0 के वैदिक विज्ञान केन्द्र के तहत शोध हेतु शिक्षकों व विद्यार्थियों की एक टीम गठित की गयी है, जिसका मुख्य उद्देश्य करोड़ों लोगों के एक अनोखे-समागम, जो आस्था, विश्वास, भक्ति व आध्यात्म के कारणों से होता है, के वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी प्राप्त करना है। वरिष्ठ पर्यावरणविद, वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष व एस0एम0एस0 के महानिदेशक-प्रो0 भरत राज सिंह का कहना है कि लोगों की इस आस्था, विश्वास, भक्ति व आध्यात्म के पीछे कोई न कोई वैज्ञानिक कारण अवश्य छिपा है, जिसमें ब्रह्ममांड के पिंडो की गति व उनके आकर्षण के प्रभाव तथा सूर्य के उत्तरायण होने के संक्रमण के कारण अवश्य ही धरती के चिंतक प्राणियों अर्थात मनुष्यों में कोई न कोई सोच में खिचाव होता है, जिससे उनमें आस्था व विश्वास जगता है और वे यहां इतनी बड़ी संख्या में 'त्रिवेणी संगम' पर स्नान के लिये एकत्रित होते है। उनका यह मानना है कि जब पृथ्वी पर उपलब्ध समुद्री सतह के नजदीक चंद्रमा दिन-रात के 24 घंटे में एक बार गुजरती है, तो ज्वार-भाटा आता है तथा पृथ्वी से जब राकेट चंद्रमा या अन्य ग्रहों पर भेजे जाते है, तो पृथ्वी की कक्षा से उस ग्रह के कक्षा में प्रवेश के समय बूस्टर का उपयोग करते है, जिससे वह संक्रमण की स्थिति से बाहर निकल सके। प्रश्न उठता है कि क्या कोई स्थिति तो सूर्य के उत्तरायण के मकरसंक्रमण से उत्पन्न होती है, जिससे सम-वैचारिक लोगों का समागम त्रिवेणी स्थल पर होने के लिये उन्हें प्रेरित करता हो और वे वहाँ पहुंच कर इस अलौकिक समागम के भागीदार बनते है और स्नान आदि के साथ प्रवचनों आदि का लाभ प्राप्त करते हो?

संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री शरद सिंह जी का कहना है कि उनके संस्थान में वर्ष 2010 से शोध कार्य पर विशेष बल दिया जा रहा है और आज संस्थान 'डॉ0 अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय' के 'नवाचार, नव-पर्यवर्त्तन तथा स्टार्टअप' में 'प्रथम-स्थान' पर है। हम अपेक्षा करते है कि उपरोक्त शोध कार्य हेतु मा0 कुलपति, प्रो0 विनय पाठक जी तथा मा0 मंत्री, (तकनीकी व चिकित्सा शिक्षा) श्री आशुतोष टण्डन जी इस अभूत-पूर्व शोध कार्य पर अपनी सहमति देकर, अन्य कालेजों को भी जुड़ने का निर्देश देगें, जिससे यह विश्वविद्यालय किसी तथ्यात्मक वैज्ञानिक-कारणों की जानकारी हासिल कर विश्व में यह एक नवीन दिशा दे सके तथा आस्था के इस महान कुम्भ पर्व का वैज्ञानिक पहलू को प्रकाशित कर कीर्तिमान स्थापित कर सके।